TheHitavada

Jabalpur City Line | 2019-09-04 | Page- 5

TFRI holds workshop

Dignitaries at Consultative workshop on Delineation of riverscape for river Narmada at Tropical Forest Research Institute, Jabalpur.

■ **Staff Reporter**

A CONSULTATIVE workshop with the objective to delineate riverscape for river Narmada was conducted at Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur in continuation to the series of meetings to prepare Detailed Project Report (DPR) for rejuvenation of river Narmada through forestry interventions.

C. Behera, IFS, Group Coordinator Research, TFRI and Nodal Officer, Narmada DPR, welcomed the dignitaries and presented overview of the project. He briefed about the factors affecting river flow, river corridor, riverscape, river hydrology and ecology and relation between land use and ground water recharge. Further he requested the house to discuss and fulfill the agenda of the workshop to identify the riverscape limits of Narmada. M. Rajkumar outlined about the origin of river rejuvenation projects, progress of river Narmada DPR and briefed the participants about meetings conducted with various stakeholders. The workshop consisted of officers, think tanks and academicians from various organisations like Rani Avanti Bai Lodhi Sagar Project, Jabalpur, IIT, Indore, National Institute of Hydrology, Bhopal, Maulana Azad National Institute of Technology, Bhopal, Zoological Survey of India, Jabalpur, ICAR-IISWC, Datia, Jabalpur Engineering College, Madhya Pradesh, Geo Spatial Data Centre Survey of India, Jabalpur, College of Agricultural Engineering, Jabalpur, Kanha Tiger Reserve and Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak.

city भास्कर | सिटी SPORTS / ACTIVITY | JABALPUR WEDNESDAY, 04/09/2019 . 02

नदी के प्रवाह एवं किनारों को प्रभावित करने वाले कारकों की मिली जानकारी

जबलपुर| वानिकी के माध्यम से नर्मदा नदी के कायाकल्प करने के लिए परियोजना रिपोर्ट डीपीआर तैयार करने के लिए उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआई में नर्मदा नदी के परिसीमन तय करने के लिए परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान आईएफएस समूह समन्वयक अनुसंधान टीएफआरआई सी बेहरा और नोडल अधिकारी, नर्मदा डीपीआर के व्यक्तियों का स्वागत किया गया, इसी के साथ परियोजना का अवलोकन भी किया गया। उन्होंने नदी के प्रवाह एवं नदी के गलियारे, किनारे को प्रभावित करने वाले कारकों, जल विज्ञान एवं पारिस्थितिकी और भूमि उपयोग एवं भूजल पुनर्भरण के बीच संबंध के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा नर्मदा एवं उसकी सहायक नदियों की सीमा पहचान करने के लिए अनुरोध भी किया। एम राजकुमार ने नदी के कायाकल्प परियोजनाओं की उत्पत्ति, नर्मदा डीपीआर की प्रगति और विभिन्न हितधारकों के साथ आयोजन बैठकों के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी। कार्यशाला में अवंती बाई लोधी सागर परियोजना, आईआईटी इंदौर, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान भोपाल, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल, जूलाजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, मध्यप्रदेश भू स्थानिक, डाटा सेंटर सर्वे ऑफ इंडिया, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर, कान्हा टाइगर रिजर्व और इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विवि, अमरकंटक आदि विभिन्न संगठनों के अधिकारियों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया।पी-3

राज एक्सप्रेस | महानगर | बुधवार, 4 सितम्बर, 2019 | www.rajexpress.co | 5 | जबलपुर

वानिकी के माध्यम से नर्मदा नदी कायाल्प पर विचार विमर्श

उष्णकटि बंधीय वन अनुसंधान संस्थान में कार्यशाला का आयोजन

जबलपुर(आरएनएन)। नर्मदा नदी की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए उष्णकटि बंधीय वन अनुसंधान संस्थान में नर्मदा नदी के परिसीमन परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान वानिकी के माध्यम से नर्मदा नदी के कायाकल्प करने हेतु वैज्ञानिकों एंव शिक्षाविदों ने गहन मंथन किया।

वानिकी के माध्यम से नर्मदा नदी के कार्यकल्प की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डीपीआर तैयार करने की बैठकों की श्रृंखला

को जारी रखते हुए उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, टीएफआरआई में आयोजित कार्यशाला में समूह समन्वयक टीएफआरआई सी.बेहरा ने परियोजना का अवलोकन करते हुए नदी के प्रवाह व नदी के गलियारे, किनारे को प्रभावित करने वाले कारकों, जलविज्ञान एवं पारिस्थिति की और भूमि उपयोग, व भूजल पुनर्भरण के बीच संबंध के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने नर्मदा और उसकी सहायक नदियों की सीमा पहचान करने के लिए अनुरोध किया। एमजे कुमार ने नदी के कायाकल्प परियोजनाओं की उत्पत्ति, नर्मदा डीपीआर की प्रगति और विभिन्न हितधारकों के साथ आयोजित बैठकों के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी। कार्यशाला में रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना, आईआईटी इंदौर, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान भोपाल, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल, जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, मध्यप्रदेश भूस्थानिक डाटा सेंटर सर्वे ऑफ इंडिया, कृषि अभियांत्रिकी कॉलेज, कान्हा टाइगर रिजर्व और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय यूनिवर्सिटी अमरकंटक आदि विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधी शामिल रहे।